पाठ 1 : (आत्मिक जन्म) मुक्ति का आश्वासन

आत्मिक जन्म – आप स्वर्गीय पिता के संतान हैं

पाप हमें परमेश्वर से अलग करता है – यशायाह 59:2

यीशू की मृत्यु + आपका विश्वास + पश्चाताप = मुक्ति–

आप एक नयी सृष्टि हैं
2 कुरिन्थियों 5:17

अगर हम दुबारा पाप करते हैं तो हमें क्या करना चाहिए ? 1 यूहन्ना 1:9, इब्रानियों 10:26

आज आप का आत्मिक जन्तदिन है!

पाठ 2 : प्रार्थना को समझना (आत्मिक साँस लेना)

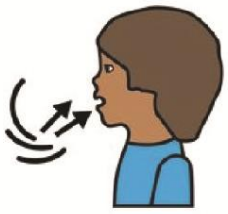

आत्मिक साँस लेना – प्रार्थना साँस लेने को सीखने की तरह है।

प्रार्थना देना और लेना है।

याद करने के लिए वचन – फिलिप्पियों 4:6-7

पाठ 3 : प्रतिदिन की उपासना (आत्मिक खाना)

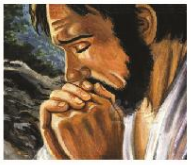

मत्ती 6:33 ''इसलिये पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो''

पाठ 4 : मंडली (आप का आत्मिक परिवार)

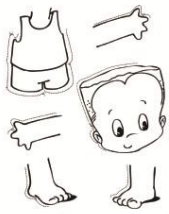
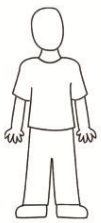

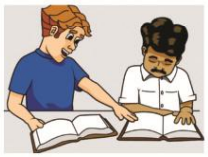

पाठ 5 : परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है

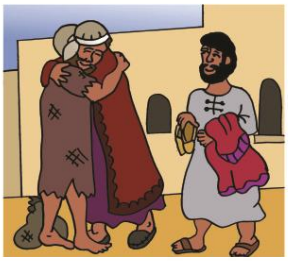

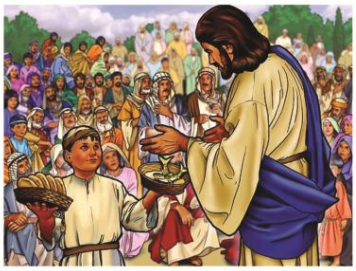
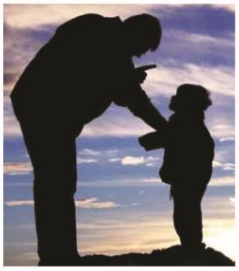

पाठ 6 : सुसमाचार को फैलाना (परिवार में वापस देना)